# छोटू की विपदा

कुमकुम सोमानी

अनुवाद : धनंजय चोपड़ा

चित्रांकन
दुर्गादत्त पाण्डेय

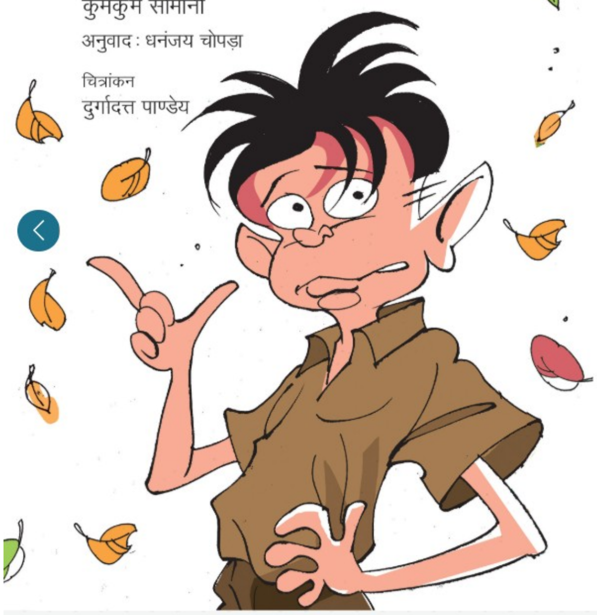

**राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत** की स्थापना पुस्तकों के प्रोन्नयन और पठन अभिरुचि के विकास के उद्देश्य से सन् 1957 में भारत सरकार (उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा की गई थी । न्यास द्वारा हिंदी, अंग्रेजी सहित 30 से अधिक भाषाओं व बोलियों में पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है । बच्चों की पुस्तको का प्रकाशन सदैव से संस्था की प्राथमिकता रही है ।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत व इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सितंबर 2019 में प्रयागराज में संपन्न अनुवाद कार्यशाला में अनूदित पुस्तक ।

ISBN 978-81-237-9201-9 (Print)
ISBN 978-81-237-7288-2 (eBook)

पहला संस्करण : 2020 (*शक* 1942)
© कुमकुम सोमानी
हिंदी अनुवाद © राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, 2019
Chotu's Misadventures (*English Original*)
Chotu Ki Vipda (*Hindi*)

**₹ 50.00**

निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज़-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

*नेहरू बाल पुस्तकालय*

# छोटू की विपदा

**कुमकुम सोमानी**

अनुवाद

**धनंजय चोपड़ा**

चित्रांकन

**दुर्गादत्त पाण्डेय**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

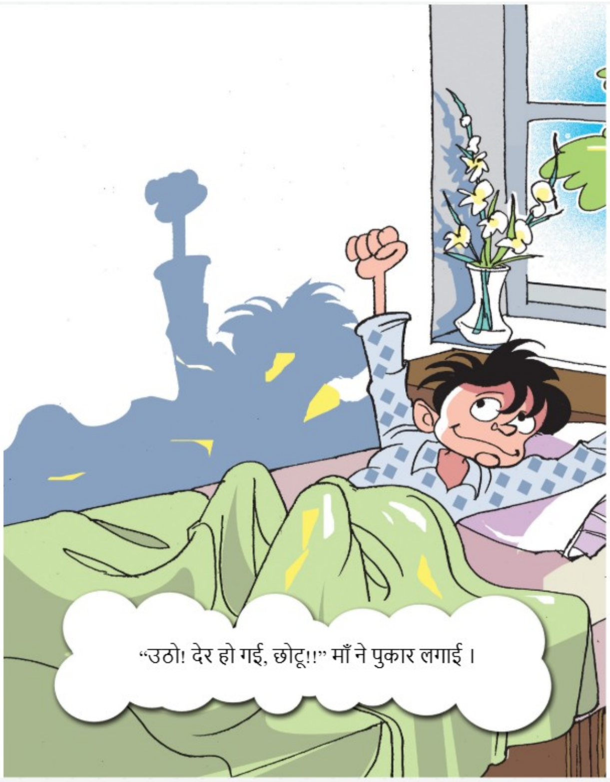

“उठो! देर हो गई, छोटू!!” माँ ने पुकार लगाई ।

छोटू को आज देर हो गई।
समय से स्कूल पहुँचने के लिए वह दौड़ने लगा।

छोटू को आज देर हो गई ।
समय से स्कूल पहुँचने के लिए वह दौड़ने लगा ।

रास्ते में उसका पैर केले के छिलके पर पड़ा।
'छपाक'! वह कूड़े-कीचड़ में गिर पड़ा।

रास्ते में उसका पैर केले के छिलके पर पड़ा ।
'छपाक'! वह कूड़े-कीचड़ में गिर पड़ा ।

वह खुद को साफ करने के लिए नल
पर गया, लेकिन वह तो सूखा था।

वह खुद को साफ करने के लिए नल
पर गया, लेकिन वह तो सूखा था ।

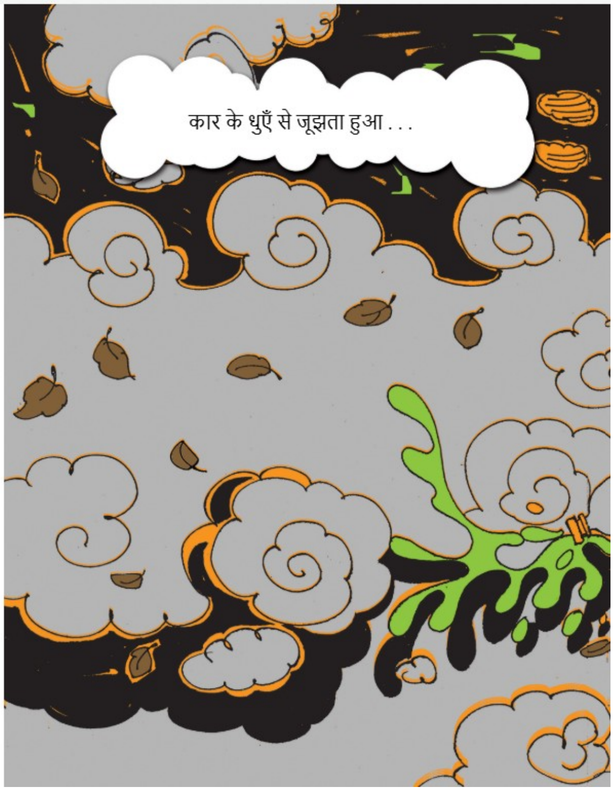
कार के धुएँ से जूझता हुआ . . .

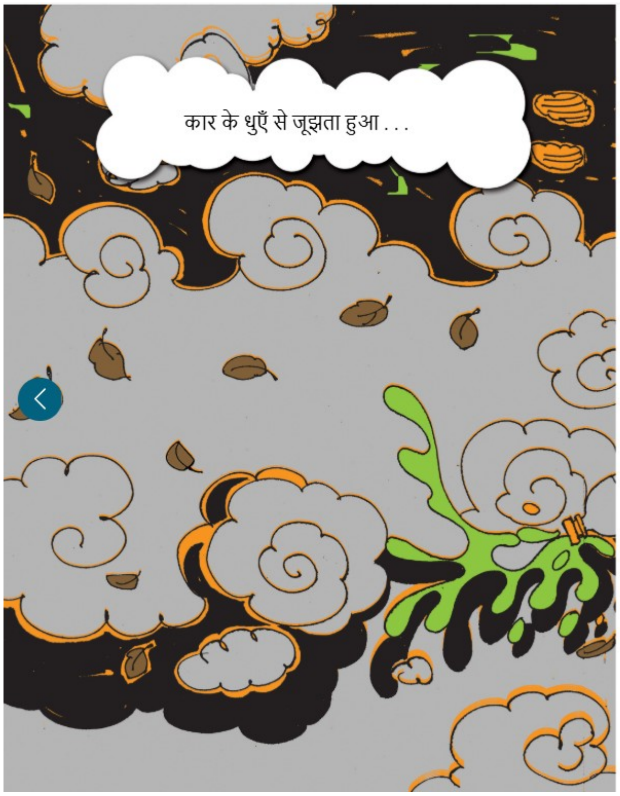
कार के धुएँ से जूझता हुआ . . .

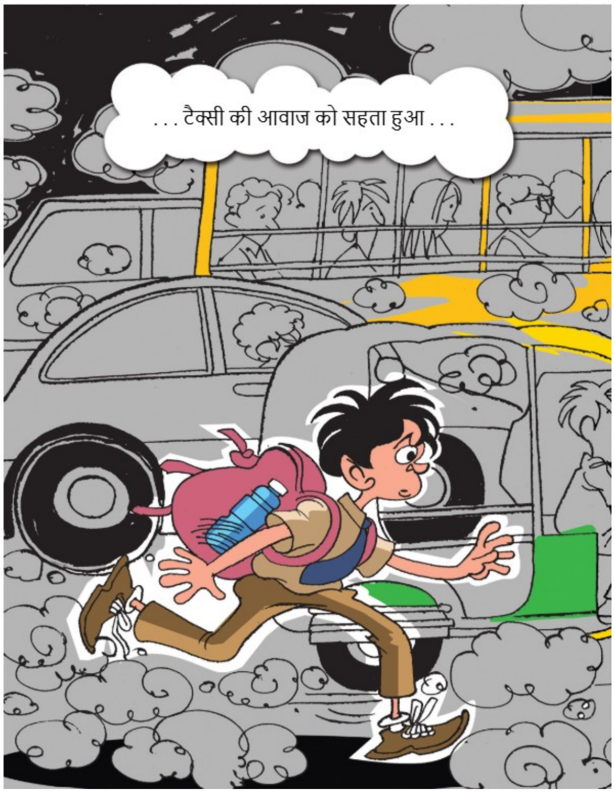
. . . टैक्सी की आवाज को सहता हुआ . . .

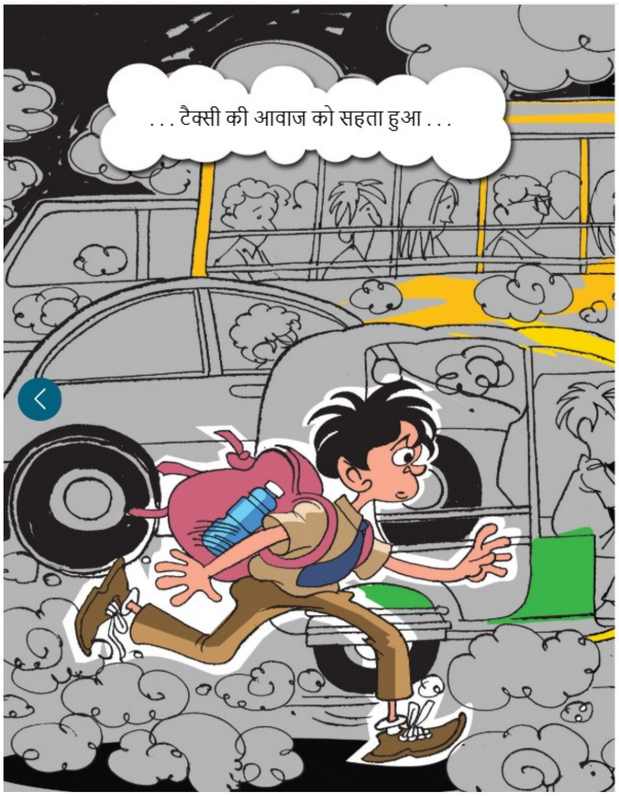
. . . टैक्सी की आवाज को सहता हुआ . . .

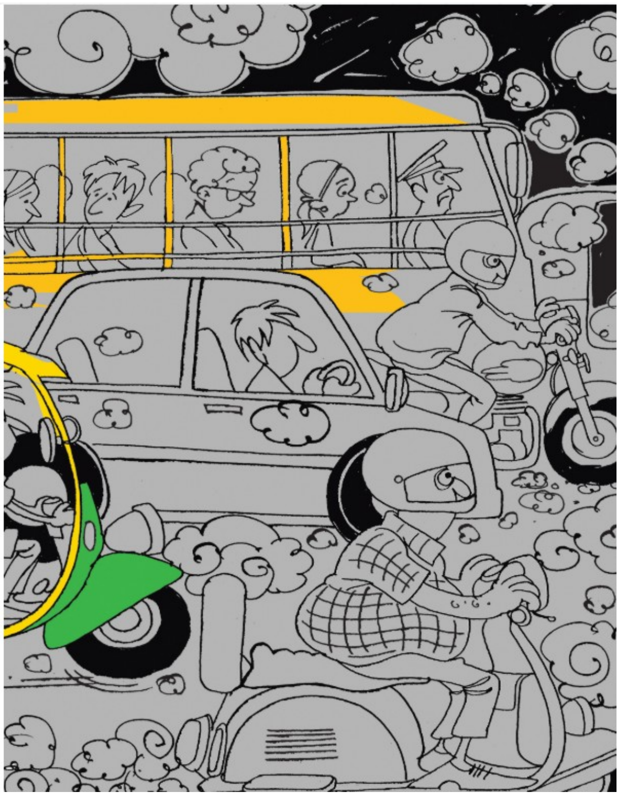

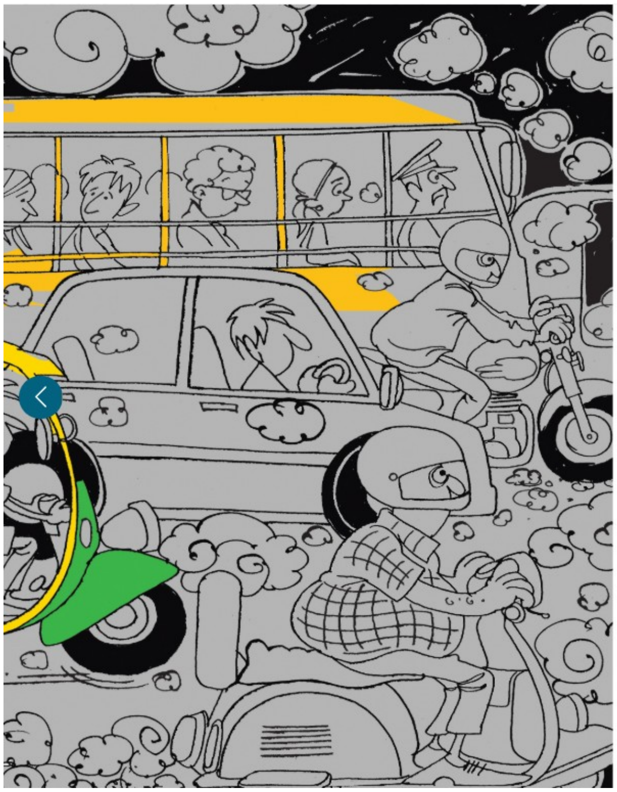

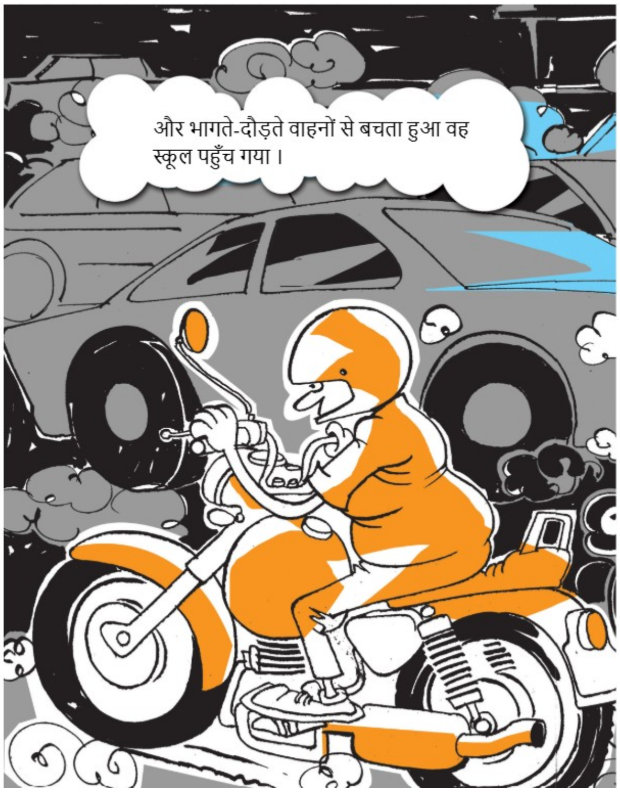
और भागते-दौड़ते वाहनों से बचता हुआ वह
स्कूल पहुँच गया।

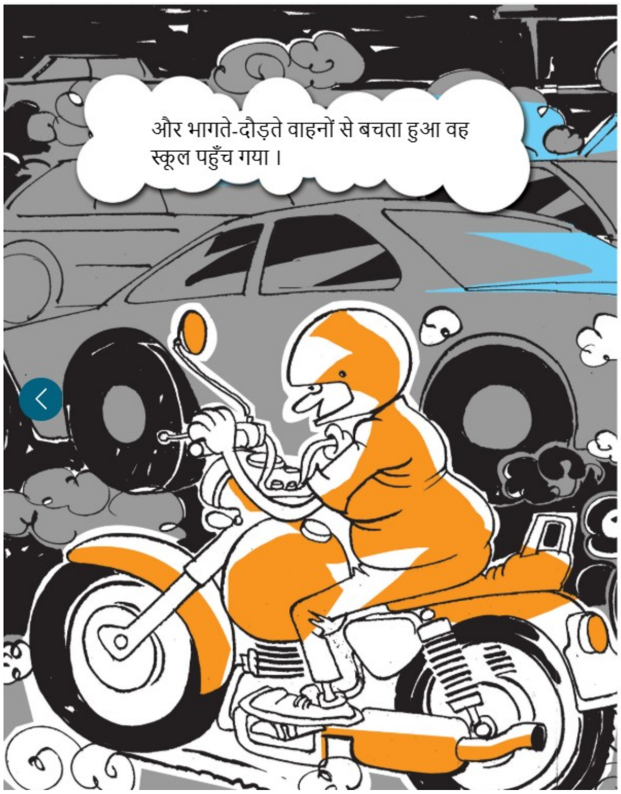
और भागते-दौड़ते वाहनों से बचता हुआ वह स्कूल पहुँच गया ।

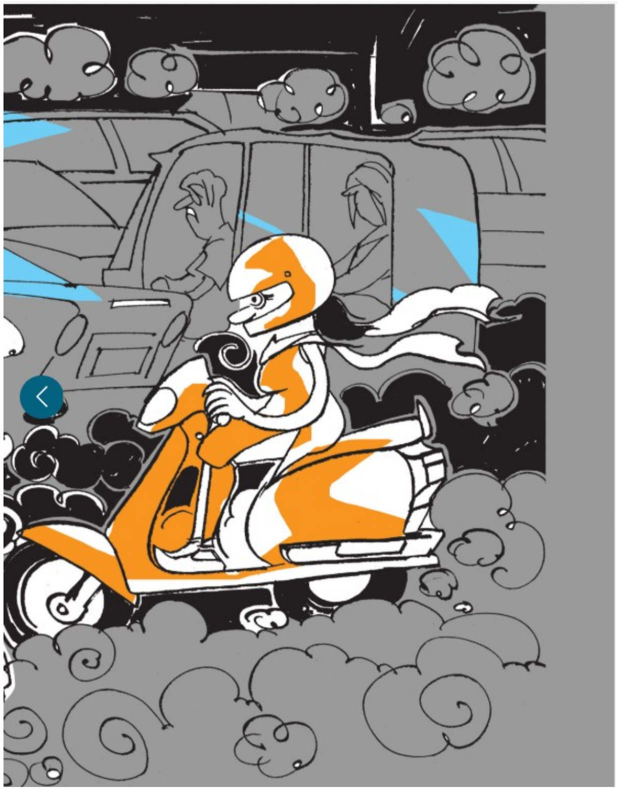

"छोटू तुम देर से आए हो!" प्रधानाचार्य चिल्लाए ।
"तुम्हारी कक्षा तो अभी-अभी पिकनिक पर चली गई ।"

प्रधानाचार्य
"छोटू तुम देर से आए हो!" प्रधानाचार्य चिल्लाए।
"तुम्हारी कक्षा तो अभी-अभी पिकनिक पर चली गई।"

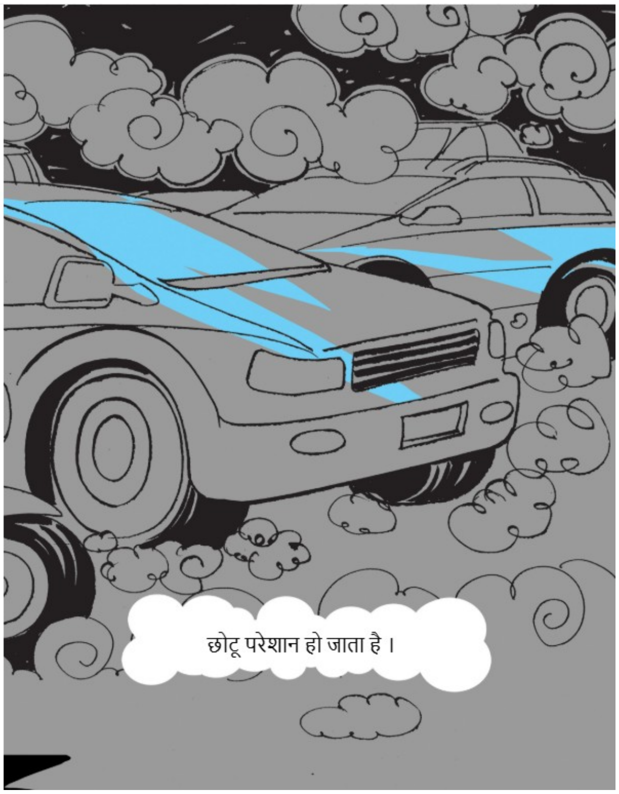
छोटू परेशान हो जाता है ।

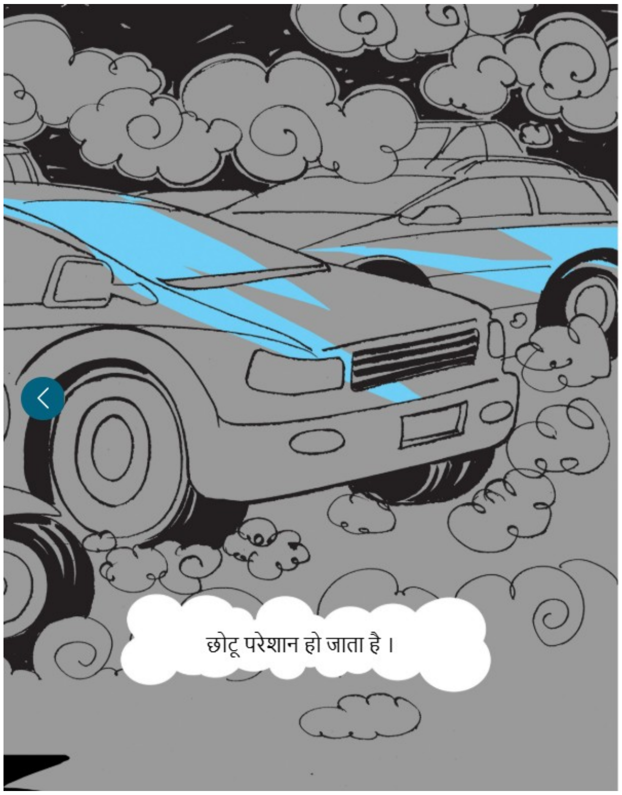
छोटू परेशान हो जाता है ।

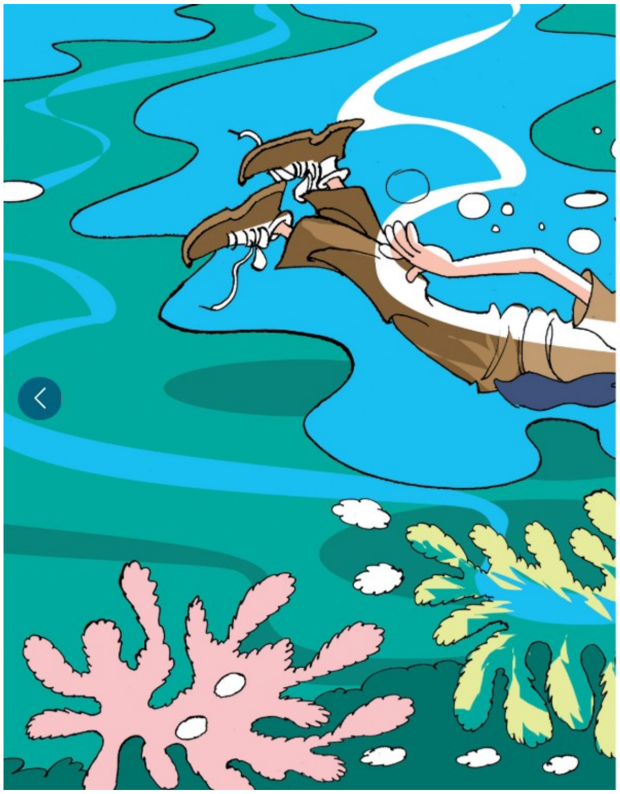

छोटू कल्पना करने लगता है कि वह एक
शांत - नीले समुद्र में मछली की तरह तैरने लगा ।

छोटू कल्पना करने लगता है कि वह एक
शांत - नीले समुद्र में मछली की तरह तैरने लगा ।

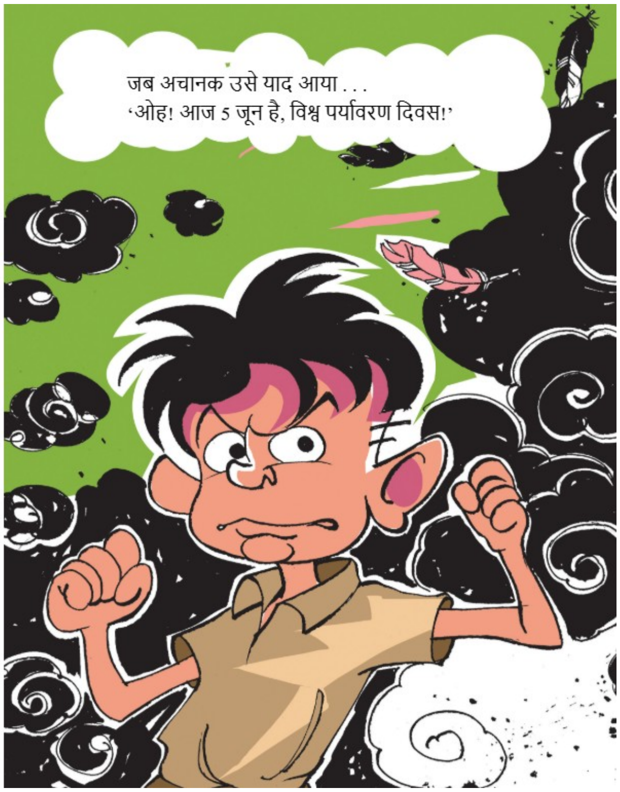
जब अचानक उसे याद आया . . .
'ओह! आज 5 जून है, विश्व पर्यावरण दिवस!'

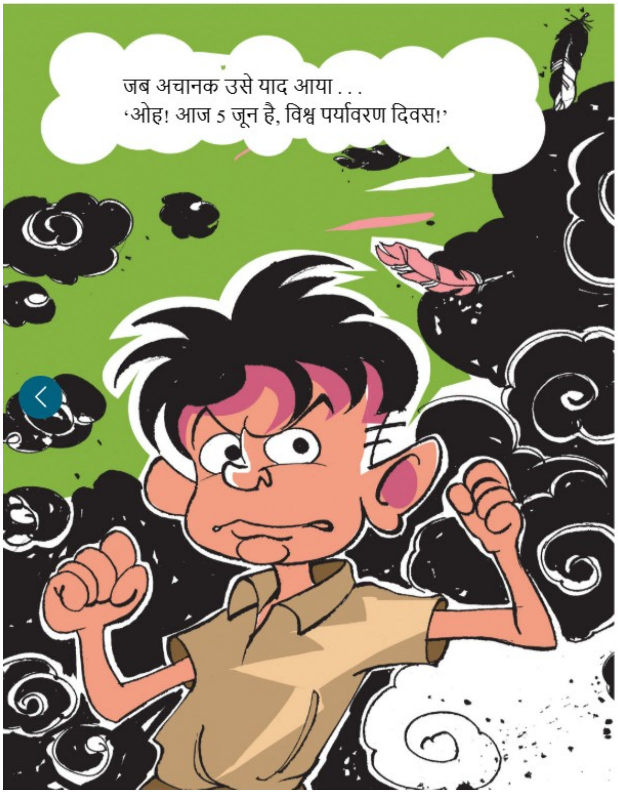
जब अचानक उसे याद आया . . .
'ओह! आज 5 जून है, विश्व पर्यावरण दिवस!'

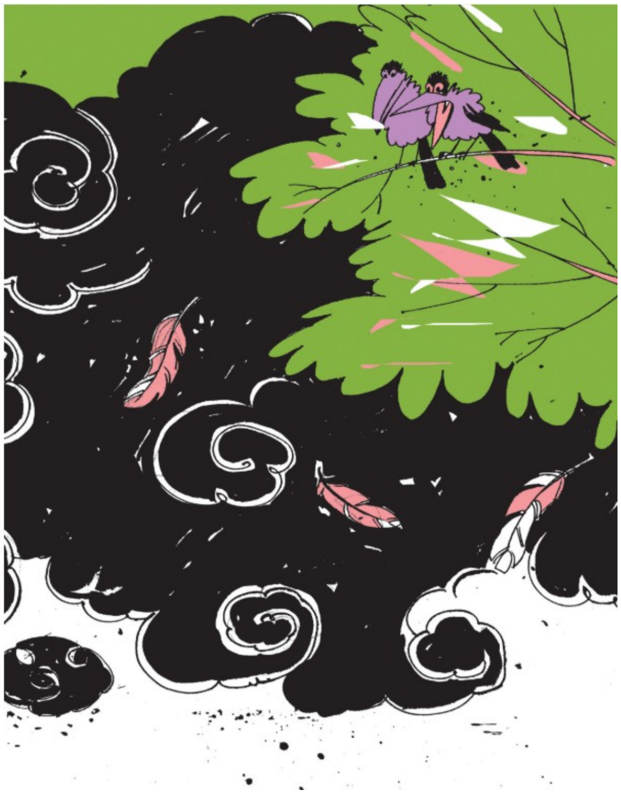

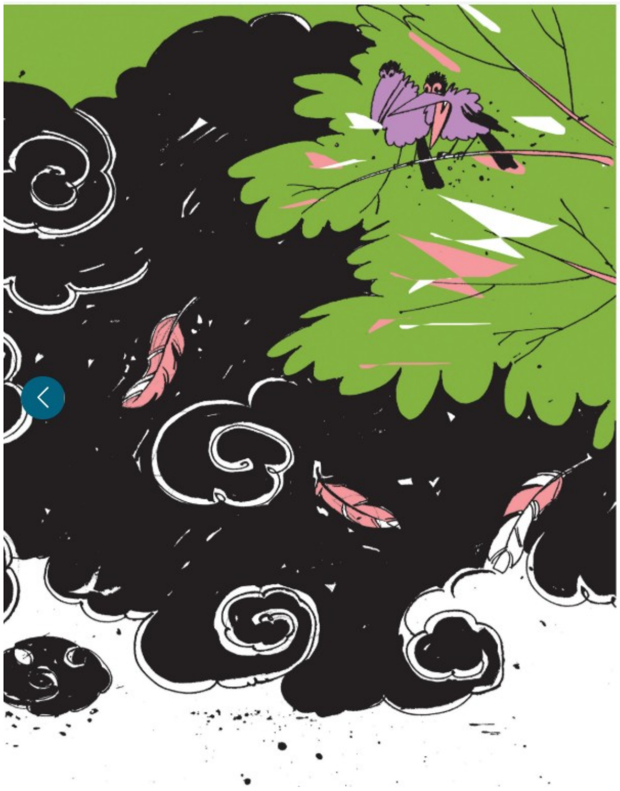

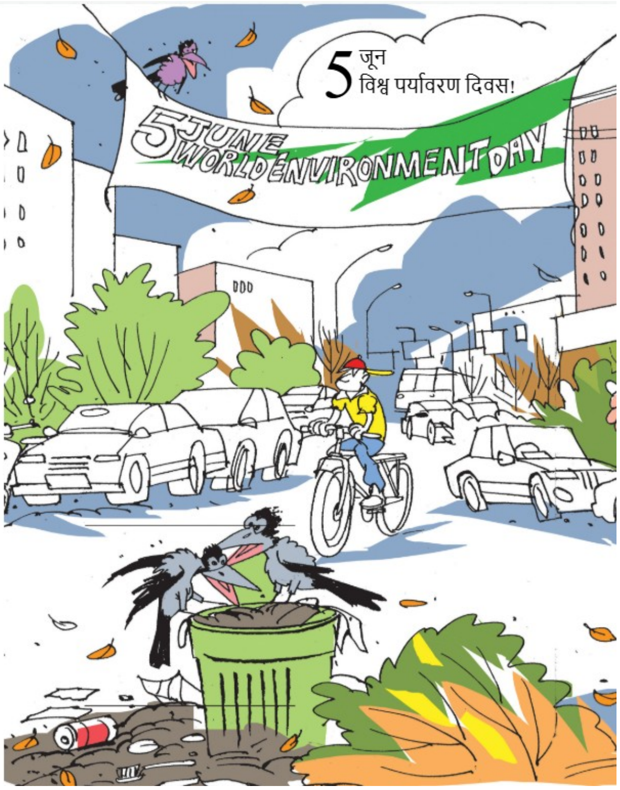
5 जून
विश्व पर्यावरण दिवस!
5 JUNE
WORLD ENVIRONMENT DAY

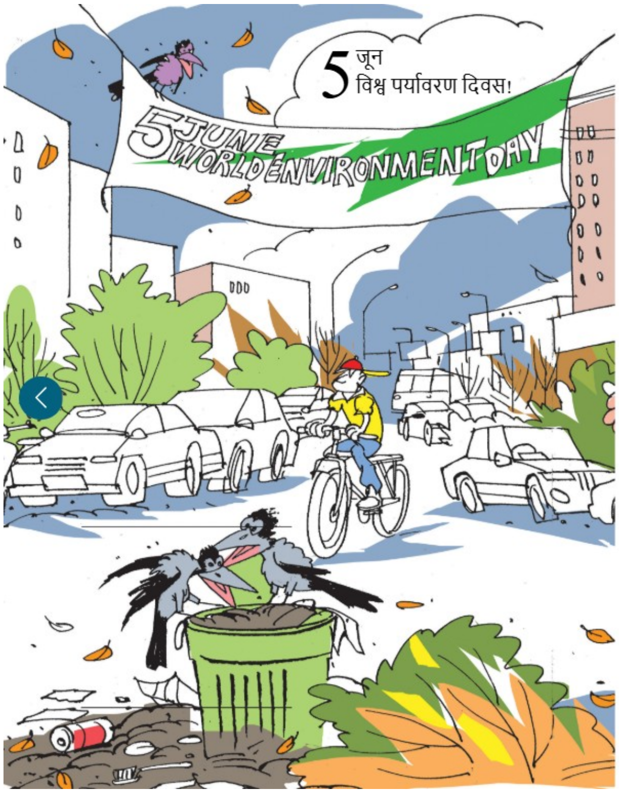

एजुकेशनल स्टोर्स, गाजियाबाद द्वारा मुद्रित

एजुकेशनल स्टोर्स, गाजियाबाद द्वारा मुद्रित

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA